

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....



Sr. No. of Question Paper : 3509

Unique Paper Code : 12131403

Name of the Paper : Sanskrit and World Literature

Name of the Course : **BA Hons. Sanskrit Core, LOCF**

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **any 5** questions.
3. Each question carries equal marks. (15×5=75)
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. किन्हीं 5 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. सभी के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. What similarities did European scholars find between Vedic and western mythologies?

यूरोप से आये विद्वानों ने वैदिक व पाश्चात्य देवशास्त्र में क्या क्या समानताएँ देखीं ?

P.T.O.

- 2 Write an essay on the contribution of the Panchatantra to world literature.

विश्व साहित्य को पञ्चतन्त्र की देन पर निबन्ध लिखिये।

- 3 Discuss the relation between the *Upanishads* and Sufism in the context of Dara Shikoh's translation of the *Upanishads*

दारा शिकोह के उपनिषदों के अनुवाद के परिप्रेक्ष्य में उपनिषदों व सूफीवाद के संबंध की विवेचना कीजिये।

- 4 Describe how the *Ramayana* and the *Mahabharata* have influenced life and culture in South East Asian countries?

रामायण व महाभारत ने दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के जीवन व संस्कृति को कैसे प्रभावित किया ?

- 5 The *Abhijnanashakuntlam* was received with great enthusiasm in the 19th century Europe. Discuss.

१९वीं शती में यूरोप ने अभिज्ञानशाकुन्तलम् का स्वागत बहुत उत्साह से किया। विवेचन कीजिये।

- 6 How did Sanskrit literature influence medieval painting styles in India? Discuss with special reference to the *Ramayana* and the *Gitagovinda*.

संस्कृत साहित्य ने भारत की मध्यकालीन चित्रकला शैलियों को कैसे प्रभावित किया- रामायण व गीतगोविन्द के विशेष सन्दर्भ में निरूपण कीजिये।

- 7 How has the philosophy of the Gita influenced some leading philosophers and poets of Europe?

गीता के दर्शन ने यूरोप के कुछ अग्रणी चिंतकों व कवियों को कैसे प्रभावित किया है?

- 8 i. Write an essay on Sanskrit studies in the US.

अमरीका में संस्कृत अध्ययन के विषय में निबन्ध लिखिये।

- ii. Give **three** equivalents from Indo European languages of any **two** of the following words

निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के तीन भारोपीय भाषाओं के समानान्तर शब्द लिखिये - अग्नि, श्रु, अक्षि, दुहिता, वृक

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No.....



Sr. No. of Question Paper : 3472

Unique Paper Code : 12131402

Name of the Paper : Modern Sanskrit Literature

Name of the Course : B.A. (Hons.) Core, LOCF

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं 4 का अनुवाद कीजिए:-

4x5=20

Translate any Four of the Following:-

क. वेदार्थ-शास्त्रार्थविशुद्धसत्त्वा नित्यं नृलोकानुजिघृक्षवश्च।
भूमीतलस्योद्धरणाय यस्यां महाबराहन्त्यपरेऽपि सन्तः॥

ख. सर्वजनाः सन्ततिरीश्वरस्य चिच्छक्तिरस्मास्वपि भात्यपूर्वा।
निर्माय उच्चावचतां समाजे जनैः सवर्णैस्तु बहिष्कृताः स्मः॥

ग. स्वयं न्यायपीठे प्रभुत्वं गृहीत्वा।
परस्वे स्वतां निर्णयन्तः क एते॥
परेषां कृते वारुणीं वर्जयन्तः।
सुराभाजनं शोषयन्तः क एते॥

घ. इयं वात्सल्यभूमिर्दिव्यभूमिर्वा भवेतु कामम् ।
अभिष्वंगा अनगंस्य प्रतीहाराः क्व यातास्ते ॥

ङ. नौकामिह सारं सारम्
गन्तास्मि कदाचित्पारम्
उत्तीर्णः स्यामपि मन्ये
पारावारमपारम् ॥

च. हन्त भोः! गृहसारिकाः समुपेक्ष्य कुण्ठितकण्ठं शुक आनीतः? यदि नाम मत्कन्यकाः प्रारम्भादेव मद्रात्सल्यलालिला अभविष्यन् अवश्यमेवासां सदगुणविकाशोऽभविष्यत् । मां नृशंसं दृष्ट्वैव गवयकिशोर्य इवेमा इतस्ततः पलायाञ्चक्रुः । नाहमासां पिता भवितुमर्हामि ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं 3 की व्याख्या कीजिए:
Explain any Three of the Following:-

3x8=24

क. त्वमष्टमूर्तेर्यजमानमूर्तिस्त्वं विश्वमूर्तिस्त्वमु विश्वनाथः।
रे शान्तिगंगाधर! मानवात्मन्नघोर एष त्वमसिप्रकृत्या॥

ख. मद्यं हि सर्वस्व-हरं नराणां कुटुम्ब-नाशोऽपि च निश्चितोऽस्ति।
निपीय मद्यं गृहमागतेभ्यः कदापि नात्र परिवेषणीयम् ॥

ग. सज्जनमैत्री सन्ततं स्नेहभरं पुष्पाति।
क्रमशोबृद्धिमुपागता दोषानपि मुष्पाति॥
दोषानपिमुष्पाति निर्गुणे गुणमाधत्ते।
निर्वेदं निर्वास्य मनसि सममोदं दत्ते॥
सत्कार्येषूत्साहवर्धिनी जडताजैत्री ।
स्नेहसारविश्रम्भसन्तता सज्जनमैत्री ॥

घ. स्नानगृहं गत्वा

गृहक्लेशश्रान्ता वधूः

निः शब्दं रोदिति

तदा

स्नानगृहं तस्याः पितृगृहं भवति ॥

3. 'स्वातन्त्र्यसम्भवम्' महाकाव्य में वर्णित मानवीय-दर्शन का विवेचन कीजिए। 10
Discuss the Human philosophy as described in 'Swatantryasambhavam' Epic.
अथवा / Or
शतपर्विका कथा में अभिव्यक्त पुत्री-शिक्षा के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।
Write the importance of 'Girls Education' as expressed in the story of Shat

4. 'संकल्पगीतिः' काव्य की समीक्षा कीजिए। 10
Give a review of either 'संकल्पगीतिः'.
अथवा / Or

P.T.O.

3472

4



पण्डित बच्चूलाल अवस्थी की कविताओं में वर्णित युगबोध का विश्लेषण कीजिए।
Analyze the contemporary knowledge as depicted in the poems of Pt. Bachchulal Awasthi.

5. प्रश्न संख्या 1 और 2 के रेखांकित किन्हीं 4 पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। 4x1=4
Write grammatical notes on any four underline words in Question no. 1 and 2.

6. कतमा कविता का सामाजिक सन्देश संस्कृत भाषा में लिखिए। 7
Write the social message of the कतमा कविता in Sanskrit language.

(1300)

[This question paper contains 2 printed pages]

Your Roll No.....



Sr. No. of Question Paper : 3438

Unique Paper Code : 12137908

Name of the Paper : Fundamentals of Ayurveda

Name of the Course : B.A. (H) DSE, LOCF

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answers **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. अष्टाङ्ग आयुर्वेद का वर्णन करें।

Describe the eight components of Ayurveda (Astanga Ayurveda).

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए-

Comment on any three of the following.

त्रिदोष, पञ्चमहाभूत, त्रिगुण, वाजीकरण, पथ्य-अपथ्य।

P.T.O.

2. भारतीय आयुर्वेद की ऐतिहासिक परम्परा का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
Describe the historic tradition of Indian Ayurveda in detail.

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए-
Write short notes on any three of the following.

- (i) आयुर्वेद की प्रमुख विशेषताएं।
- (ii) स्वास्थ्य
- (iii) दिनचर्या
- (iv) वर्षाऋतुचर्या
- (v) ग्रीष्मऋतुचर्या

3. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए-
Write short notes on any three of the following.

चरक, सुश्रुत, वाग्भट, माधव, शार्ङ्गधर, भावमिश्र।

अथवा

आयुर्वेद की धन्वन्तरि अथवा पुनर्वसु की ऐतिहासिक परम्परा का विवेचन कीजिए।
Explain the historic tradition of Dhanwantari or Punarvasu.

4. ऋतु के अनुसार आहार विहार के लाभ का विवेचन कीजिए।
Discuss about the profit of food habit (Ahara) and traveling (Vihara) as according to season.

अथवा

हेमन्त, शिशिर एवं वसन्त ऋतु में पथ्य-अपथ्य का विवेचन कीजिए।

Describe regimen of fall winter (Hemanta), Winter (Sisira) & spring (Vasanta) seasons.

5. तैत्तिरीयोपनिषद् की भृगुवल्ली में वारुणि ने पिता से क्या जिज्ञासा की? और पिता ने क्या उत्तर दिया, सङ्क्षेप में लिखिए।
What did Vaaruni desire from his father in Bhriguvali of Taittiriyaopnishad? And what did his father answer? Write briefly.

अथवा/ (or)

तैत्तिरीयोपनिषद् की भृगुवल्ली के अनुसार भूतों की उत्पत्ति किससे हुई?

What are the causes for the development of five substances according to bhriguvali of taittiriyaopnishad?

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....



Sr. No. of Question Paper : 3488

Unique Paper Code : 12131602

Name of the Paper : Sanskrit Composition and Communication

Name of the Course : B.A. (H), Core, LOCF

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

भाग-क
(Part -A)

1. चतुर्थी विभक्ति सम्बन्धी नियमों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

4

Explain the rules of चतुर्थी विभक्ति with examples.

अथवा/Or

निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की व्याख्या कीजिए:

Explain any two of the following sutras:

ध्रुवमपायेऽपादानम्, आधारोऽधिकरणम्, कर्तुरीप्सिततमं कर्म, स्वतन्त्रः कर्ता,

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार वाक्यों में सूत्र निर्देशपूर्वक विभक्ति का कारण बताइए:

4

Explain the reason of the case ending in any four sentences:

- त्वं पठितुं विद्यालयं गच्छसि।
- सः विद्यालयं परितः परिभ्रमति।
- रामः रावणाय अलम् अस्ति।
- बालकाय मोदकं रोचते।
- बालकः मातरं रुप्यकाणि याचते।
- हिमालयात् गङ्गा प्रभवति।
- देवदत्तः गुरुकुले अध्ययनेन वसति।
- प्रासादात् बालः अपतत्।

3. वाच्य से क्या अभिप्राय है? वाच्य के भेदों को सोदाहरण स्पष्ट करें।

8

What is the voice? Explain Type of voice with examples.

अथवा/Or

शतृ एवं शानच् प्रत्ययों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

Explain with examples शतृ and शानच् suffixes.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों का वाच्य परिवर्तन कीजिए:

5

Change the voice of any five of the following sentences:

- सः ग्रामं गच्छति।
- कन्यया संस्कृतं पठ्यते।
- देवाः आशीर्वादान् यच्छति।
- त्वं पुष्पाणि चिनोषि।
- मोहनः स्वपिति।

- vi. त्वया कथं भूयते।
vii. सः रामेण सह दिल्लीप्रदेशं गतवान्।
viii. शिशुना पयः पीयते।

भाग-‘ख’

(Part -B)

5. निम्नलिखित में से किन्हीं सात वाक्यों का संस्कृत भाषा में अनुवाद कीजिए: 7
Translate in Sanskrit Language any Seven sentence of the following:

- | | |
|---|--|
| i. तुम कहाँ जाते हो? | Where do you go? |
| ii. मेरे पिता का नाम श्री रामचंद्र है। | My father's name is Shri Ram Chandra. |
| iii. लोग देवालय में ईश्वर को पूजते हैं। | People worship God in the temple. |
| iv. वह यहाँ से कहाँ गया? | Where did he go from here? |
| v. यदि तुम पढ़ोगे, तो जीवन में सफल होंगे। | If you read then you will succeed in life. |
| vi. तुम सब कब खेलोगे? | When did you all play? |
| vii. तुम जो बोओगे, वह काटोगे। | What you sow, so shall you reap. |
| viii. भक्त शिव को नमस्कार करते हैं। | Devotees bow to Shiva. |
| ix. गायत्री मंत्र से बुद्धि सबल होती है। | Gayatri Mantra enriches one's intellect. |
| x. जल से शरीर के अंग शुद्ध होते हैं। | Water purifies the parts of the body. |
| xi. विद्यालय विद्या के मंदिर होते हैं। | Schools are the temples of Education. |

6. निम्न में से किसी एक का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए: 8

Translate any one of the following paragraphs into Hindi or into English:

ईस्वीवर्षस्य सप्तमशताब्द्यां महाराष्ट्रप्रान्ते आसीद् राजा विष्णुवर्धनः। तस्य राजसभायां महाकविः भारविः राजकविः आसीत्। तस्य महाकाव्यं किरातार्जुनीयं पुराकालादेव अत्यन्तं प्रसिद्धं वर्तते। तद् अमरकाव्यम् अर्थगौरवात् संस्कृतसाहित्यस्य बृहत्त्वव्यां प्रथमं स्थानम् अलङ्करोति। भारविः बाल्यकाले महता परिश्रमेण विद्याम् अर्जितवान्। स नियमेन चतुरो वेदान् षट् शास्त्राणि चापठत्। तस्य विलक्षणा प्रतिभा काव्यरचनायामपि प्रवृत्ता। सः सर्वदा विद्वत्सभासु सोत्साहम् उपातिष्ठत्। तत्र पण्डितैः सह अनेकवारं चातुर्येण शास्त्रार्थम् अकरोत्। सः कविसम्मेलनेषु निरन्तरं काव्यम् अश्रावयत्। श्रोतारः तस्य रम्यं काव्यं श्रुत्वा भृशं प्रशंसन्ति स्म। इत्थं काव्यकलायां तस्य कीर्तिलता अल्पेनैव कालेन चतुर्दिक्षु प्रासरत्।

अथवा/Or

ये जनाः दृढप्रतिज्ञाः भवन्ति तेषां कृते तेषां व्रतमेव सर्वप्रमुखं भवति। संसारे ईदृशाः जनाः अभवन् ये जीवनस्य अन्तिमे क्षणेऽपि सत्यस्य आश्रयं नात्यजन्। स्वात्मनः विपर्यये किञ्चिद् कर्म अपि नाकुर्वन्। अनेकासु विपत्तिषु अपि नृपः हरिश्चन्द्रः सत्यस्याश्रयं नात्यजत्। महाराणा प्रतापः आजीवनं वने

P.T.O.

वनेऽश्वमत्। स्वभार्या बालं च बुभुक्षया निष्प्राणान्निव पश्यन्नपि सः तेषां वार्तां न अमन्यत। ते तस्मै पराधीनं जीवनं जीवितुम् अकथयन्। आधुनिके काले महर्षिः दयानन्दोऽपि सत्यस्य पालने वेदप्रचारे च स्वजीवनस्य बलिदानम् अकरोत् परं सत्यस्य मार्गं नात्यजत्। एवमेव पुण्यभूमिभारते अनेके ईदृशाः महापुरुषाः अजायन्त ये स्वजन्मना इमां भूमिं पवित्राम् अकुर्वन्। अद्यापि तेषां चरणचिह्नानि मानवान् सत्याचरणं प्रति प्रेरयन्ति।

7. दो मित्रों के मध्य होने वाले आतङ्कवाद विषयक वार्तालाप को संस्कृत भाषा में लिखिए। 6
Write the conversation between two friends on the topic of terrorism in Sanskrit Language.

अथवा/Or

निम्नलिखित में से किन्हीं छः को शुद्ध कीजिए:
Correct any six of the following:

- विद्या सत्यात् शोभते।
- नृपेण मृगेषु शराः अक्षिपत्।
- दश नाटक अस्ति।
- उद्यानस्य निकषा वनम् अस्ति।
- आसन्दिकायां अधितिष्ठति।
- ग्रामे अश्वं नेष्यति।
- पादेन खड्गः।
- अहम् फले खादितम्।

8. उचित प्रत्ययों के प्रयोग द्वारा किन्हीं छः रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए: 6
Fill up the blanks of any six of the following with suitable suffixes:

- त्वया भोजनं.....(खाद्+क्त)।
-(हस्+शतृ) बालकं पश्य।
- शिशुः मोदकं(दृश्+क्त्वा) प्रसीदति।
- मोहनः क्रीडनकानि.....(क्री+तुमुन्) गमिष्यति।
- रमणिका भोजनं(पच्+शानच्) अस्ति।
- सेवकः नृपं(प्र+नम्+ल्यप्) उपविशति।
- मया कुत्रापि न.....(गम्+अनीयर्)।
- सुनीता पत्रं(लिख्+क्तवत्)।

भाग-‘ग’

(Part -C)

9. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए: 15
Write an essay on the following topics:
भरतीया संस्कृतिः, उपमा कालिदसस्य, संस्कृतभाषाया महत्त्वम्, महाभारतम्
10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लघु-निबन्ध लिखिए: 10
Write an essay on the following topics:
आतङ्कवादः, कोरोना, जलवायुपरिवर्तनम्, संगणकस्य उपयोगिता .

(1500)

[This question paper contains 3 printed pages]

Your Roll No.....



Sr. No. of Question Paper : 3264

Unique Paper Code : 12137902

Name of the Paper : Art of Balanced Living

Name of the Course : B.A. (Hon.) DSE – LOCF

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

P.T.O.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

(12 × 3 = 36)

Answer any three of the following questions:

(अ) 'विज्ञानेनेदं सर्वं विदितम्' बृहदारण्यकोपनिषद् की इस पंक्ति के इस कथन की व्याख्या कीजिए।

Explain the content of this line 'विज्ञानेनेदं सर्वं विदितम्' of Brhadāranyakopaniṣada.

(आ) 'योग' शब्द को स्पष्ट करते हुए चित्तप्रसादन के उपायों का वर्णन कीजिए।

Elucidate the word 'Yoga' and describe the means of cittaprasādana.

(इ) नियम के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

Describe the types of observance.

(ई) प्राणायाम से हम कैसे स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं? विवेचन कीजिए।

How can we get health benefits from Breath exercise? Describe.

(उ) गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए 'भक्तियोग' के उपयोगी सूत्रों का वर्णन कीजिए।

Describe the useful formulas of Bhakti-Yoga for balanced living on the basis of Gītā.

2. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

(5 × 5 = 25)

Explain the Following:

(क) यं हि न व्यथयन्त्येते पुरुषं पुरुषर्षभा।
समदुःखसुखं धीरं सोऽमृतत्वाय कल्पते॥

अथवा / Or

य एवं वेत्ति पुरुषं प्रकृतिं च गुणैः सह।
सर्वथा वर्तमानोऽपि न स भूयोऽभिजायते॥

(ख) शनैः शनैरुपरमेदबुद्ध्या धृतिगृहीतया।
आत्मसंस्थं मनः कृत्वा न किञ्चिदपि चिन्तयेत्॥

अथवा / Or

यो मां पश्यति सर्वत्र सर्वं च मयि पश्यति।
तस्याहं न प्रणश्यामि स च मे न प्रणश्यति॥

(ग) यत्करोषि यदश्रासि यज्जुहोषि ददासि यत्।
यत्तपस्यसि कौन्तेय तत्कुरुष्व मदर्पणम्॥

अथवा / Or

दिवि सूर्यसहस्रस्य भवेद्युगपदुत्थिता।

यदि भाः सदृशी सा स्याद्भासस्तस्य महात्मनः॥

- (घ) तेषामहं समुद्धर्ता मृत्युसंसारसागरात्।
भवामि नचिरात्पार्थ मय्यावेशितचेतसाम्॥

अथवा/Or

ये तु धर्म्यामृतमिदं यथोक्तं पर्युपासते।

श्रद्धधाना मत्परमा भक्तास्तेऽतीव मे प्रियाः॥

- (ङ) इष्टान्भोगान्हि वो देवा दास्यन्ते यज्ञभाविताः।
तैर्दत्तानप्रदायैभ्यो यो भुङ्क्ते स्तेन एव सः॥

अथवा/Or

कर्म ब्रह्मोद्भवं विद्धि ब्रह्माक्षरसमुद्भवम्।

तस्मात्सर्वगतं ब्रह्म नित्यं यज्ञे प्रतिष्ठितम्॥

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए :

(3.5 × 2 = 7)

Explain any two of the following:

- (अ) तत्परं पुरुषख्यातेर्गुणवैतृण्यम्।
(आ) अहिंसासत्यास्तेयब्रह्मचर्यापरिग्रहा यमाः।
(इ) तत्र प्रत्ययैकतानता ध्यानम्।

4. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए:-

(7)

Write a short note on any One of the following in Sanskrit:

- (i) क्रियायोग (ii) चित्तवृत्तिनिरोध (iii) जनयोग